


13 $\frac{12}{23}$

व्य-व्य इत्यस्य विनाही गती। यदीत्यत्र इति कीदृ
उपनधी। अपील मपीकंरु इत्यत्र एतदी व अत्र एतदी
के खरिप ही एतदी के यत्रही के लता गुण्य इत्यत्र
नम्य के सके ही एते एवं व्य वरिती वरिती इत्यत्र
एतद्य के अत्ये इत्यत्र गता। 

व्यस्य अपील प्राधिकारी
आवपुर (राज.)